आयोजनः रजत जयंती महोत्सव माघ मेला में महाप्रसादी के साथ हुआ समापन

राज्य स्तरीय एनएसएस शिविर में बस्तर की संस्कृति की गूंज

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

जगदलपुर. उच्च शिक्षा विभाग, छत्तीसगढ़ शासन के अंतर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना का राज्य स्तरीय सात दिवसीय विशेष शिविर 22 जनवरी से 28 जनवरी तक शासकीय दाऊ कल्याण कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, बालोदाबाजार में आयोजित किया गया। शिविर का संचालन डॉ. नीता बाजपेई, राज्य एनएसएस अधिकारी, छत्तीसगढ़ के नेतृत्व में हुआ। शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय बस्तर से चयनित कार्यक्रम अधिकारियों ने डॉ. सजीवन कुमार, कार्यक्रम समन्वयक, राष्ट्रीय सेवा योजना के निर्देशन में सहभागिता की। समापन कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ शासन के केबिनेट मंत्री टंक राम वर्मा मुख्य अतिथि रहे। इस अवसर पर प्रमोद कुमार मरावी, कार्यक्रम अधिकारी, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, छिंदबाहार ने बस्तर की पारंपरिक लोककला से निर्मित मुर्गा पंख की कलगी मंत्री को पहनाई। मंत्री टंक राम वर्मा ने बस्तर की लोकसंस्कृति, पारंपरिक कला और आदिवासी विरासत की सराहना करते हुए एनएसएस की भूमिका को युवाओं में सेवा भावना और सामाजिक उत्तरदायित्व बढ़ाने वाला बताया। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ी संगीत की प्रस्तुति भी दी गई। इस दौरान डॉ. भुनेश्वर लाल साहू, प्रमोद मरावी, अर्चना, देवेन्द्र कुमार दुर्गे सहित एनएसएस के छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। शिविर में स्वयं सेवकों ने अनुशासन, नेतृत्व और सांस्कृतिक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी निभाई।

जगदलपुर. शिविर में बस्तर विवि की रही सहभागिता ।

मोबाइल बैंकिंग **शहीद महेंद्र कर्मा विवि, एवं सीजी कास्ट का संयुक्त तत्वावधान**

सुकमा में डिजिटल जागरूकता, 200 महिलाओं ने लिया प्रशिक्षण

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जगदलपुर. शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय, एवं छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद के संयुक्त तत्वावधान में सुकमा जिले के अत्यंत दूरस्थ ग्राम परिया, बगडेगुड़ा एवं सामसट्टी की महिलाओं के लिए मोबाइल बैंकिंग, डिजिटल भुगतान एवं सुरक्षित यूपीआई उपयोग विषय पर विशेष प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन ग्राम सामसट्टी में किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण एवं वनांचल क्षेत्र की महिलाओं को डिजिटल रूप से सक्षम, सुरक्षित और आत्मनिर्भर बनाना रहा।

प्रशिक्षण के दौरान महिलाओं को यूपीआई के माध्यम से डिजिटल लेन-देन का प्रायोगिक प्रशिक्षण दिया गया। साथ ही ओटीपी व पासवर्ड की गोपनीयता, साइबर एवं वित्तीय धोखाधड़ी से बचाव तथा डिजिटल भुगतान से होने वाले आर्थिक लाभों की विस्तृत जानकारी दी गई। रिसोर्स पर्सन ने वास्तविक उदाहरणों के माध्यम से सतर्कता के महत्व को समझाया।

भौगोलिक दृष्टि से दुर्गम क्षेत्र होने के बावजूद लगभग 200 महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भागीदारी की और अपनी शंकाओं का समाधान प्राप्त किया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, सरपंचों, शिक्षकों, मितानिन सुपरवाइजर एवं विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं की गरिमामयी उपस्थिति रही। समापन अवसर पर प्रतिभागी महिलाओं को सहभागिता प्रमाण-पत्र तथा सक्रिय उपयोगकर्ताओं को 'डिजिटल दीदी' सम्मान प्रदान किया गया।

जगदलपुर. मोबाइल बैंकिंग, डिजिटल भुगतान का तरीका सीखा।

डिजिटल साक्षरता आत्मनिर्भरता का मजबूत माध्यम

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. मनोज कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि डिजिटल साक्षरता आज महिलाओं की सुरक्षा और आत्मनिर्भरता का मजबूत माध्यम बन चुकी है। इस दौरान सोमनाथ कवासी, माड़वी कोषा, डॉ. तेज बहादुर चंद्रा (प्रधान अन्वेषक), राजेश्वरी नेताम , डॉ. डिगेश्वर साहू एवं डॉ. कुश नायक की उपस्थिति रही। इस दौरान सोमनाथ कवासी, माड़वी कोषा, डॉ. तेज बहादुर चंद्रा (प्रधान अन्वेषक), राजेश्वरी नेताम , डॉ. डिगेश्वर साहू एवं डॉ. कुश नायक की उपस्थिति रही।

अवसर पर

शुभकामनाएँ दीं।

का भावपूर्ण गायन किया।

ला,

का केंद्र रहा,
3 और खेल
ल लगाए गए।
ऊ राम कश्यप
का उद्घाटन
लों पर जाकर
नया। मेले के
का चारूलता
कार्यक्रम
सिंह ठाकुर,
णी हुमने और
मार्गदर्शन में
नों की बगिया
र पानी पुरी,
की, समोसा,
भजिए मिर्ची,
लगुला, तीखुर,
भग 35 प्रकार
तमंद व्यंजन
और अतिथियों

एक दिवसीय सामूहिक अवकाश पर रहेंगे सभी

विवि कर्मचारी कल्याण संघ ने प्रबंधन को दिया हड़ताल का अल्टीमेटम

जगदलपुर @ पत्रिका. शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय कर्मचारी कल्याण संघ ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर हड़ताल का अल्टीमेटम दिया है। बुधवार को संघ के अध्यक्ष उदय पाण्डे के नेतृत्व में कर्मचारियों ने कुलसचिव एवं कुलपति को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कर्मचारियों की सीपीएफ राशि को नवीन अंशदायी पेंशन प्रणाली (एनपीएस) खाते में जमा करने, वर्षों से लंबित पदोन्नति तत्काल करने, शीघ्र नई भर्ती करने तथा भर्ती में विश्वविद्यालय के दैनिक वेतनभोगियों को प्राथमिकता देने की मांग की गई है।

इसके अलावा वाहन चालकों और प्रयोगशाला तकनीशियनों की पदोन्नति, रविशंकर विश्वविद्यालय की तर्ज पर पदोन्नति अवधि के लिए तीन वर्ष की गोपनीय प्रतिवेदन की अनिवार्यता जैसी मांगें भी शामिल हैं। संघ ने 10 फरवरी तक मांगें पूरी करने का अनुरोध किया है। चेतावनी दी गई है कि मांगें पूरी नहीं होने पर 13 फरवरी को कर्मचारी एक दिवसीय सामूहिक अवकाश पर रहेंगे तथा आवश्यकता पड़ने पर अनिश्चितकालीन आंदोलन भी किया जाएगा, जिसकी जिम्मेदारी विश्वविद्यालय प्रशासन की होगी।

सम्मान : पुस्तकालय सेवा में उत्कृष्ट योगदान पर सम्मानित किए गए

उप ग्रंथपाल डॉ. संजय को राज्य स्तरीय सम्मान

जगदलपुर @ पत्रिका. शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय बस्तर के पुस्तकालय विज्ञान अध्ययनशाला के विभागाध्यक्ष डॉ. संजय कुमार डोंगरे को छत्तीसगढ़ लाइब्रेरी एसोसिएशन ने वर्ष के उत्कृष्ट विश्वविद्यालय ग्रंथपाल सम्मान से नवाजा है। यह सम्मान उन्हें पुस्तकालय एवं सूचना सेवाओं के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान, समर्पित सेवा तथा ज्ञान प्रसार के प्रति सतत प्रयासों के लिए प्रदान किया गया। यह सम्मान 27 जनवरी 2026 को प्रदान किया गया। डॉ. डोंगरे की इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय परिवार ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें हार्दिक शुभकामनाएँ दीं। कुलपति प्रो. मनोज कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि डॉ. डोंगरे को पुस्तकालय के क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए राज्य स्तर पर पहचाना जाना विश्वविद्यालय के लिए गर्व का विषय है।

विवि के कुलपति से अपनी उपलब्धि साझा करते डॉ. संजय कुमार डोंगरे।

4:18 Vo)) LTE1 5G 31%

अंतर्गत संपूर्णता
ा हुआ शुभारंभ

कर दूरस्थ नियद
ाएं सुदृढ़ करने का
वहीं शिक्षित युवाओं
ड़ने के लिए जिला
ट मैनेजमेंट सर्विस
ा गया, जो युवाओं
ारने की दिशा में
। कलेक्टर अमित कुमार ने कहा कि बस्तर पंडुम केवल उत्सव नहीं, बल्कि प्रतिभाओं को पहचान और आगे बढ़ने का अवसर देने का माध्यम है। हमारे लिए गर्व की बात है कि बस्तर पंडुम के विजयी प्रतिभागी आगामी दिनों संभागस्तरीय बस्तर पंडुम कार्यक्रम जगदलपुर में भाग लेंगे। आज नीति आयोग द्वारा संपूर्णता अभियान 2.0 का शुभारंभ किया जा रहा है और आज ही मंच से स्वास्थ्य विभाग में चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र का वितरण किया जा रहा है। स्वास्थ्य

उपलब्ध कराने के लिए लाइवलीहुड कालेज के माध्यम से एक एमओयू भी किया जा रहा है। आप सभी का कार्यक्रम में शामिल होने के लिए धन्यवाद।

आधुनिक शिक्षा के साथ-साथ अपनी जड़ों और रीति-रिवाजों से जुड़े : कमिश्नर

बस्तर संभागायुक्त डोमन सिंह ने अपने तीन दशकों के प्रशासनिक अनुभव को साझा करते हुए यहाँ की जनजातीय संस्कृति, वेशभूषा और ग्रामीणों की सहजता को बस्तर की असली पूंजी बताया। उन्होंने भावुक होते हुए कहा कि बस्तर की पावन धरा पर सेवा का अवसर मिलना उनके लिए सौभाग्य की बात है। श्री सिंह ने जोर देकर कहा कि आधुनिक शिक्षा के साथ-साथ अपनी जड़ों और रीति-रिवाजों से जुड़े रहना अनिवार्य है, ताकि आने वाली पीढ़ियों को यह अनमोल विरासत गौरव के साथ सौंपी जा सके।

बस्तर विश्वविद्यालय के उप ग्रंथपाल डॉ. संजय डोंगरे को राज्य स्तरीय सम्मान

जगदलपुर, 29 जनवरी (देशबन्धु)। शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय बस्तर में सेवारत उप ग्रंथपाल एवं पुस्तकालय विज्ञान अध्ययनशाला के विभागाध्यक्ष डॉ. संजय कुमार डोंगरे को छत्तीसगढ़ लाइब्रेरी एसोसिएशन द्वारा वर्ष के उत्कृष्ट विश्वविद्यालय ग्रंथपाल सम्मान से अलंकृत किया गया है। यह सम्मान उन्हें पुस्तकालय एवं सूचना सेवाओं के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान, समर्पित सेवा तथा ज्ञान प्रसार के प्रति सतत प्रयासों के लिए प्रदान किया गया। यह सम्मान 27 जनवरी 2026 को प्रदान किया गया।

छत्तीसगढ़ लाइब्रेरी एसोसिएशन ने डॉ. डोंगरे को वर्ष के उत्कृष्ट विश्वविद्यालय ग्रंथपाल के अवार्ड से नवाज़ा

डॉ. डोंगरे की इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय परिवार ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें हार्दिक शुभकामनाएँ दीं। कुलपति प्रो. मनोज कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि डॉ. डोंगरे को पुस्तकालय के क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए राज्य स्तर पर पहचाना जाना विश्वविद्यालय के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने आगे कहा कि यह सम्मान न केवल डॉ. डोंगरे की व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता, अनुसंधान उन्मुख वातावरण और ज्ञान संसाधनों के सुदृढ़ विकास का भी प्रमाण है। कुलपति ने आशा व्यक्त की कि उनकी यह उपलब्धि अन्य शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को भी पुस्तकालय एवं शोध गतिविधियों से अधिक जुड़ने के लिए प्रेरित करेगी। ज्ञात हो कि डॉ. डोंगरे लंबे समय से पुस्तकालय सेवाओं के आधुनिकीकरण, पाठक उन्मुख सेवाओं के विस्तार तथा संसाधनों >> शेष पृष्ठ 9 पर >

राज्यपाल रमेन डेका द्वारा शिक्षिका म

सुकमा, 29 जनवरी (देशबन्धु)। दिव्यांगजनों के शैक्षणिक सशक्तिकरण की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल के तहत रायपुर स्थित लोक भवन, सिविल लाइन में एक गरिमामय कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर राज्यपाल छत्तीसगढ़, रमेन डेका के करकमलों द्वारा दृष्टिबाधित बच्चों के लिए तैयार की गई दो महत्वपूर्ण ब्रेल पुस्तकों का विमोचन और 3200 से अधिक ऑडियो बुक्स का लोकार्पण किया। इस अवसर पर राज्यपाल द्वारा सुकमा की शिक्षिका ममता सिंह को सम्मानित किया गया। ममता सिंह ने हल्बी बोली में बस्तर क्षेत्र की विभिन्न पर्यटनस्थल और छत्तीसगढ़ी कहानी, एवं हल्बी में दिव्यांग खिलाड़ियों की आत्मकथा के बारे में 100 से अधिक आडियोबुक बनाए जिसके लिए राज्यपाल रमेन डेका द्वारा विशेष रूप से स्मृति चिह्न

12वीं तक के सभी विषयों के साथ-साथ प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु विशेष प्लेलिस्ट शामिल हैं। इसके अतिरिक्त सरगुजिया कहानियां, छत्तीसगढ़ी एवं हिंदी में सामान्य ज्ञान, हल्बी, पंजाबी और छत्तीसगढ़ी भाषाओं में अलग-अलग प्लेलिस्ट, महिला सशक्तिकरण, दिव्यांगजनों हेतु सरकारी योजनाओं तथा सहायता संसाधनों से संबंधित उपयोगी सामग्री भी उपलब्ध कराई गई है। यह समस्त सामग्री च्वर्ल्ड ऑडियो बुक ज्यूट्यूब चैनल पर एक ही प्लेटफॉर्म

वे अपने गृह राज्य अ
को ऐसी पहल के
राज्यपाल ने बताया वि
को अन्य राज्यों तक
यह कार्य राष्ट्रीय स्तर

4:16 Vo)) LTE1 5G 31%

द्रारा शिक्षिका ममता सिंह हुई सम्मानित

डेका ने इस अभिनव पहल की सराहना करते हुए कहा कि ब्रेल पुस्तकों और ऑडियो बुक्स के माध्यम से दृष्टिबाधित बच्चों के लिए ज्ञान के नए द्वार खोलना समावेशी शिक्षा का उत्कृष्ट उदाहरण है। उन्होंने इसे संवेदनशील सामाजिक दायित्व बताया और कहा कि वे अपने गृह राज्य असम में भी शिक्षकों को ऐसी पहल के लिए प्रेरित करेंगे। राज्यपाल ने बताया कि इन ऑडियो बुक्स को अन्य राज्यों तक भेजा जाएगा, ताकि यह कार्य राष्ट्रीय स्तर पर आदर्श बने। इस पुनीत प्रयास के लिए उन्होंने सभी शिक्षकों को बधाई दी। दृष्टिबाधित बच्चों तक सुलभ अध्ययन सामग्री पहुँचाने के उद्देश्य से इस अभियान की शुरुआत हुई। माध्यमिक शाला कुम्हारराास में सहायक शिक्षिका के रूप पदस्थ ममता सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि इस अभियान के पीछे प्रेरणा का स्रोत राष्ट्रपति पुरस्कृत शिक्षिका के. शारदा (दुर्ग) को वर्ष 2024 में मिला सम्मान रहा। शिक्षिका ने 25 अक्टूबर 2024 से स्वयं ऑडियो बुक्स बनाना शुरू किया और 800 से अधिक ऑडियो बुक्स तैयार कीं। बाद में विभिन्न जिलों के शिक्षकों के जुड़ने से यह संख्या बढ़कर 3200 से अधिक हो गई। के. शारदा और प्रीति शांडिल्य ने इससे भी मिलकर ब्रेल पुस्तकें तैयार कर छत्तीसगढ़ के 20 ब्रेल विद्यालयों को 100-100 प्रतियां निःशुल्क उपलब्ध कराई थी। इस सराहनीय कार्य में योगदान देने वाले शिक्षकों को राज्यपाल द्वारा सम्मानित किया गया। इस ऑडियो बुक निर्माण में राज्य के 30 शिक्षकों की सक्रिय सहभागिता रही।

...व्यांगजनों हेतु सरकारी सहायता संसाधनों से ...ामग्री भी उपलब्ध कराई ...ामग्री च्वर्ल्ड ऑडियो ...ल पर एक ही प्लेटफॉर्म ...। ऑडियो बुक में कुल ...ाननीय राज्यपाल रमेन

उच्च शिक्षा मंत्री ने राष्ट्रीय सेवा योजना में संगीतमय उद्बोधन द्वारा राज्य स्तरीय सात दिवसीय शिविर का किया समापन

जगदलपुर, 29 जनवरी (देशबन्धु)। उच्च शिक्षा विभाग, छत्तीसगढ़ शासन के अंतर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना (रासेयो) का राज्य स्तरीय सात दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन शासकीय दाऊ कल्याण कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, बालोदाबाजार में 22 से 28 जनवरी तक किया गया। इस विशेष शिविर का आयोजन डॉ. नीता बाजपेई, राज्य एनएसएस अधिकारी, छत्तीसगढ़ के नेतृत्व में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। शिविर में शहीद महेन्द्र कर्मा विश्वविद्यालय, बस्तर (जगदलपुर) से चयनित कार्यक्रम अधिकारियों एवं डॉ. सजीवन कुमार, कार्यक्रम समन्वयक, राष्ट्रीय सेवा योजना, के निर्देशन में किया गया। कार्यक्रम के दौरान छत्तीसगढ़ शासन के केबिनेट मंत्री टंक राम वर्मा की मुख्य अतिथि में संपन्न हुआ। प्रमोद कुमार मरावी, कार्यक्रम अधिकारी, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, छिंदबाहार द्वारा बस्तर की पारंपरिक लोककला से निर्मित 'मुर्गा के पंख से बना कलगी माननीय मंत्री जी को पहनाया गया। मंत्री श्री टंक राम वर्मा ने बस्तर की समृद्ध लोकसंस्कृति, पारंपरिक कला एवं आदिवासी विरासत की सराहना करते हुए कहा कि बस्तर की पहचान उसकी अनूठी संस्कृति है, जिसे राष्ट्रीय स्तर पर संरक्षण एवं प्रचार की आवश्यकता है। उन्होंने राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा युवाओं में सेवा भावना, सामाजिक उत्तरदायित्व एवं सांस्कृतिक चेतना के विकास हेतु किए जा रहे प्रयासों की प्रशंसा की। मेरे झोपड़ी >> *शेष पृष्ठ 9 पर*>

महिलाओं को दिया ट्रेनिंग

डिजिटल व मोबाइल बैंकिंग पर जागरूकता शिविर आयोजित

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

बीजापुर. शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय के तत्वावधान में बीजापुर जिले के ग्राम चेरपाल में मंगलवार को डिजिटल एवं मोबाइल बैंकिंग विषय पर विशेष प्रशिक्षण एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में चेरपाल, पदेड़ा एवं पलनार गांवों की 150 से अधिक महिलाओं ने भाग लेकर सुरक्षित डिजिटल लेन-देन की जानकारी प्राप्त की।

कार्यक्रम में रिसोर्स पर्सन के रूप में चेरपाल स्थित केनरा बैंक के शाखा प्रबंधक दीपक कुंजाम, कस्टमर एसोसिएट धारावत नरेश नायक तथा जगदलपुर से आए एक तकनीकी विशेषज्ञ उपस्थित रहे। अधिकारियों ने महिलाओं को डिजिटल एवं मोबाइल बैंकिंग की महत्ता, उपयोग की प्रक्रिया, यूपीआई, मोबाइल बैंकिंग, डिजिटल भुगतान, सुरक्षित पासवर्ड तथा ओटीपी की गोपनीयता के साथ-साथ साइबर सुरक्षा एवं वित्तीय धोखाधड़ी से बचाव के उपायों की विस्तृत जानकारी दी। साथ ही व्यावहारिक प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया।

यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय की कंप्यूटर अनुप्रयोग अध्ययनशाला एवं छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (सीसीओएसटी), रायपुर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हुआ। परियोजना में डा तेजबहादुर चंद्रा, राजेश्वरी नेताम, डा डिगेश्वर साहू, संजय पांडेय ने सहयोग दिया। इसका उद्देश्य बस्तर क्षेत्र के नियद नेल्लानार ग्रामों की महिलाओं एवं स्व-सहायता समूहों को डिजिटल रूप से सशक्त बनाना है। कार्यक्रम में ग्रामों के सरपंच, उप-सरपंच व सचिव उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. मनोज कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि डिजिटल बैंकिंग से ग्रामीण महिलाएं आर्थिक रूप से सशक्त होंगी और आत्मनिर्भर समाज का निर्माण होगा। अंत में महिलाओं ने प्रशिक्षण को उपयोगी बताते हुए ऐसे कार्यक्रमों की निरंतरता की मांग की।

सड़क सुरक्षा जागरूकता पर बेहतरीन कार्य के लिए शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय बस्तर सम्मानित

जगदलपुर, 24 जनवरी (देशबन्धु)। राष्ट्रीय सेवा योजना शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय बस्तर द्वारा सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान पर लोगों को यातायात नियमों, सुरक्षा, एक्सीडेंट को कम करने के लिए छत्तीसगढ़ शासन द्वारा चलाए गए सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान में शहीद महेंद्र कर्मा बस्तर विश्वविद्यालय जगदलपुर बहुत बेहतरीन जन जागरूकता अभियान कार्यक्रम राष्ट्रीय सेवा योजना के द्वारा चलाया गया ।सम्मान प्राप्त करने हेतु राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रमुख डॉक्टर सजीवन कुमार कार्यक्रम समन्वयक राष्ट्रीय सेवा योजना ने यह सम्मान प्राप्त किया है। यह कार्य प्रोफेसर मनोज कुमार श्रीवास्तव कुलपति शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय बस्तर के दिशा निर्देश व दूर दृष्टि सोच का परिणाम है कि आज विश्वविद्यालय को सम्मान मिल रहा है। कुलपति महोदय समय-समय पर कार्यशाला का आयोजन कर लोगों को,

विद्यार्थियों को जागरूक करने के उद्देश्य से कार्यशाला आयोजित किए हैं ।विगत समय में सड़क सुरक्षा कार्यशाला का आयोजन, नुक्कड़ नाटक, जन जागरूकता रैली, विशेष शिविर, चित्रकोट पर्यटन स्थल पर कार्यशाला, मां दंतेश्वरी मंदिर प्रांगण पर कार्यशाला का आयोजन आदि कार्यक्रमों ने विश्वविद्यालय को सम्मान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है। नारा लेखन , पोस्टर प्रदर्शन, निबंध प्रतियोगिता आदि कार्यक्रम पूरे बस्तर में राष्ट्रीय सेवा योजना के माध्यम से चलाया गया। डॉ नीता बाजपेई राज्य एन एस एस अधिकारी का मार्गदर्शन पर विशेष रूप से बस्तर क्षेत्र में लोगों को यातायात के नियमों की जानकारी देने के लिए विशेष शिविर के माध्यम से डॉक्टर नीता बाजपेई मैडम कार्यक्रमों में आकर जन जागरूकता अभियान हेतु जागरूक करने का प्रयास किया है। इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रोफेसर मनोज कुमार श्रीवास्तव कुलपति शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय बस्तर जगदलपुर ,डॉ राजेश लालवानी कुलसचिव शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय बस्तर, प्रोफेसर शरद नेमा विभागाध्यक्ष, प्रोफेसर स्वपन कुमार कोले विभागाध्यक्ष, प्रोफेसर एम एस मिश्रा विभागाध्यक्ष , डॉ सुकृता तिर्की विभागाध्यक्ष , डॉ विनोद कुमार सोनी विभागाध्यक्ष, समस्त अधिकारी ,कर्मचारी व राष्ट्रीय सेवा योजना के जिला संगठक ,कार्यक्रम अधिकारी ने इस उपलब्धि शुभकामनाएं दिए।

एसडीएम को अनिवार्य रूप से प्रति सप्ताह दो-दो स्कूल, आंगनवाड़ी केंद्र, सार्वजनिक उचित मूल्य की

दीपोत्सव और बस्तर पण्डुम के आयोजन पर चर्चा करते तैयारी पर ध्यान केंद्रीत करने के निर्देश दिए।

बसंत पंचमी पर विश्वविद्यालय परिसर में गूंजी ज्ञान की आराधना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

बसंत पंचमी पर शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय में श्रद्धा, उल्लास और सांस्कृतिक चेतना से ओत-प्रोत वातावरण देखने को मिला। विद्या, बुद्धि और सृजनशीलता की अधिष्ठात्री माँ सरस्वती की विधिवत पूजा-अर्चना के साथ विश्वविद्यालय परिसर आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर रहा। शैक्षणिक समुदाय ने इस पर्व को ज्ञान, अनुशासन और सकारात्मक सोच के प्रतीक के रूप में आत्मसात किया।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों एवं शिक्षकों में विशेष उत्साह देखने को मिला। बसंत पंचमी को शिक्षा,कला और नैतिक मूल्यों के संवर्धन का पर्व बताते हुए निरंतर अध्ययन, अनुशासन और जीवन में उच्च आदर्शों को अपनाने का संदेश दिया गया। पूजा-अर्चना के माध्यम से ज्ञान के प्रकाश को जीवन में आत्मसात करने की सामूहिक कामना की गई। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के शैक्षणिक एवं प्रशासनिक वातावरण में एकता, समर्पण और सांस्कृतिक चेतना का सशक्त संदेश उभरकर सामने आया।

कुलपति प्रो मनोज कुमार श्रीवास्तव, कुलसचिव डॉ राजेश लालवानी, प्रोफेसर शरद नेमा, डॉ संजय कुमार डोंगरे, केआर ठाकुर, डॉ तूलिका शर्मा सहित विश्वविद्यालय के पदाधिकारी, सदस्यगण, प्रशिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। बसंत पंचमी केवल एक धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि ज्ञान, विवेक और सृजनशीलता के नवसंचार का अवसर है।

नवनियुक्त अध्यक्ष नितिन नवीन को बधाई देते गागड़ा। • नईदुनिया

क्षमता और राष्ट्रसेवा के संकल्प के साथ नितिन नबीन का नेतृत्व पार्टी के कार्यकर्ताओं को और अधिक सशक्त, ऊर्जावान और प्रेरित करेगा। उनका नेतृत्व भाजपा को संगठनात्मक रूप से और अधिक मजबूत बनाएगा तथा देशहित में पार्टी की भूमिका को नई दिशा और गति प्रदान करेगा।

नूपुर शर्मा ने जिला कार्यालय के सभा कक्ष में समय-सीमा बैठक के दौरान जनदर्शन में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे आम नागरिकों की मांगों एवं समस्याओं को सुना।

जनदर्शन में विभिन्न विषयों से संबंधित बड़ी संख्या में आवेदन प्राप्त हुए, जिन पर कलेक्टर ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए। इस दौरान विकासखण्ड माकड़ी के ग्राम सोड़मा निवासी दिव्यांग मलसाय नेताम को मोटराइज्ड ट्राइसिकल और बस पास

वा कक्षा उत्तीर्ण है, उनका हाथ पर साथ न देने के कारण कुछ भारी काम नहीं कर पाते। फिर भी अपनी इच्छा शक्ति के कारण हिम्मत नहीं हारी और मोटराइज्ड ट्राइसिकल के लिए जनदर्शन में आवेदन किया। जिस पर कलेक्टर ने त्वरित कार्यवाही हेतु निर्देशित किया। मलसाय ने मोटराइज्ड ट्राइसिकल मिलने पर खुशी जताते हुए कहा कि अब उन्हें परिवार के दैनिक कामों जैसे बाजार से सब्जी, किराना सामान और अन्य कार्यों में सुविधा होगी।

विश्वविद्यालय ने 150 महिलाओं को दिया डिजिटल लेन-देन का प्रशिक्षण

चेरपाल गांव में डिजिटल लेन-देन का प्रशिक्षण लेती महिलाएं। • बविवि

नईदुनिया प्रतिनिधि, जगदलपुर: बस्तर अंचल में डिजिटल सशक्तिकरण की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय ने मंगलवार को बीजापुर जिले के ग्राम चेरपाल में डिजिटल एवं मोबाइल बैंकिंग पर आधारित विशेष प्रशिक्षण एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में चेरपाल, पदेड़ा और पलनार गांव की 150 से अधिक महिलाओं ने भाग लेकर सुरक्षित डिजिटल लेन-देन की बारीकियां सीखीं।

कार्यक्रम के दौरान महिलाओं को डिजिटल बैंकिंग की उपयोगिता, आवश्यकता और इसके माध्यम से दैनिक जीवन को सरल बनाने के तरीकों से अवगत कराया गया। प्रशिक्षण सत्र में यूपीआई, मोबाइल बैंकिंग, डिजिटल भुगतान, पासवर्ड सुरक्षा, ओटीपी की गोपनीयता तथा साइबर ठगी से बचाव जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर व्यवहारिक जानकारी दी गई। कई महिलाओं ने पहली बार मोबाइल के माध्यम से सुरक्षित भुगतान प्रक्रिया को समझा और उसका अभ्यास भी किया।

कार्यक्रम के रिसोर्स पर्सन के रूप में चेरपाल स्थित केनरा बैंक के शाखा प्रबंधक दीपक कुंजाम, कस्टमर एसोसिएट धारावत नरेश नायक तथा जगदलपुर से आए तकनीकी विशेषज्ञ ने प्रशिक्षण दिया। उन्होंने सरल भाषा और उदाहरणों के माध्यम से डिजिटल बैंकिंग को महिलाओं के लिए सहज और भरोसेमंद बनाने का प्रयास किया। यह शिविर विश्वविद्यालय की कंप्यूटर अनुप्रयोग अध्ययनशाला एवं छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (सीसीओएसटी), रायपुर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया।

विशेष परियोजना का उद्देश्य नियद नेल्लानार क्षेत्र के ग्रामों की महिलाओं और स्व-सहायता समूहों को डिजिटल व मोबाइल बैंकिंग के प्रति जागरूक कर आर्थिक रूप से सशक्त बनाना था। कार्यक्रम में संबंधित ग्रामों के सरपंच, उप-सरपंच एवं सचिव की गरिमामयी उपस्थिति रही।

परियोजना के प्रधान अन्वेषक डा. तेज बहादुर चंद्रा, सह-प्रधान अन्वेषक राजेश्वरी नेताम, परियोजना सहायक डा. डिगेश्वर साहू, संजय पाण्डेय तथा अतिथि व्याख्याता ने आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आयोजन के दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. मनोज कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि डिजिटल एवं मोबाइल बैंकिंग ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने का सशक्त माध्यम है। जब महिलाएं आर्थिक रूप से सशक्त हो जाएंगी तब समाज स्वत ही आगे बढ़ेगा। जब महिलाएं डिजिटल रूप से सक्षम होती हैं, तो पूरा परिवार और समाज प्रगति की ओर बढ़ता है। उन्होंने भविष्य में भी ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने की आवश्यकता पर बल देते हुए आयोजकों को बधाइयां दीं।

ाओ संग्राम गरीबों के अधिकार की लड़ाई: बघेल

प्रेमशंकर शुक्ला ने कहा कि "मनरेगा ने गांवों में रोजगार, सम्मान और

मानव निर्माण की पाठ्यनीति है एनईपी : पाठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय में शनिवार को 'भारतीय ज्ञान परंपरा और विकसित भारत-2047 की संकल्पना' विषय पर एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए कहा गया कि भारतीय ज्ञान परंपरा

■ भारतीय ज्ञान परंपरा से ही बनेगा विकसित भारत-2047 का आधार

केवल अतीत नहीं,बल्कि वर्तमान और भविष्य का मार्गदर्शक है। हमारे विचार, जीवनशैली और सामाजिक मूल्यों में इसके तत्व पहले से ही मौजूद हैं, आवश्यकता है तो इन्हें प्रमाणिक रूप से समझने, आत्मसात करने और विश्व के समक्ष प्रस्तुत करने की।

कार्यशाला में यह विचार प्रमुखता से उभरा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भारतीय ज्ञान परंपरा को केंद्र में रखकर युवाओं के सर्वांगीण विकास की राह खोलती है। यह नीति केवल रोजगारोन्मुखी नहीं, बल्कि मूल्यनिष्ठ,नैतिक और मानवीय दृष्टिकोण को मजबूत करने वाली है। वक्ताओं ने कहा कि विकसित भारत का अर्थ केवल आर्थिक समृद्धि नहीं,बल्कि सांस्कृतिक,सामाजिक और नैतिक उन्नति भी है। जनजातीय संस्कृति सहित भारत की विविध सांस्कृतिक धाराओं को साथ लेकर चलना ही समावेशी विकास की सच्ची पहचान है।

कार्यक्रम में यह भी रेखांकित किया गया कि यदि देश वर्तमान विकास दर को बनाए रखता है तो आने वाले वर्षों में वह विश्व की अग्रणी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होगा। इसके लिए स्वावलंबन, तकनीक आधारित शिक्षा,भारतीय दृष्टिकोण से विषयों का अध्ययन और मानव संसाधन के समुचित उपयोग पर बल दिया गया। वक्ताओं ने यह भी कहा कि भारतीय प्राचीन ज्ञान ही आगे चलकर आधुनिक ज्ञान का आधार बना, जिसे अब पुनः अपने देश में सम्मान और व्यवहार में लाने की आवश्यकता है। इस दौरान अपने विचार रखने वालों में लाल बहादुर केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,दिल्ली के पूर्व कुलपति प्रो आरपी पाठक,शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो मनोज कुमार श्रीवास्तव,शासकीय शिक्षा महाविद्यालय कांकेर के प्राचार्य डॉ. ओमप्रकाश मिश्रा तथा केंद्रीय विश्वविद्यालय हरियाणा के शिक्षा विभाग के प्राध्यापक डॉ प्रमोद कुमार गुप्ता शामिल रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ रश्मि देवांगन ने किया एवं आभार प्रदर्शन डॉ कुश कुमार नायक द्वारा किया गया।

आयोजन

स्वामी विवेकानंद जयंती पर हुई स्वदेशी संकल्प दौड़ में शामिल हुए जनप्रतिनिधि व अन्य

स्वदेशी के बिना विकसित भारत की कल्पना अधूरी : सांसद कश्यप

नईदुनिया प्रतिनिधि, जगदलपुर: स्वामी विवेकानंद की 164वीं जयंती के अवसर पर सोमवार को शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय, बस्तर की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई एवं भाजपा युवा मोर्चा के संयुक्त तत्वावधान में स्वदेशी संकल्प दौड़ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां दंतेश्वरी मंदिर प्रांगण में स्वामी विवेकानंद के छायाचित्र पर पूजा-अर्चना एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ।

इस अवसर पर आयोजित उद्बोधन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सांसद महेश कश्यप ने कहा कि स्वदेशी के बिना विकसित भारत संभव नहीं है। प्रत्येक नागरिक को अधिक से अधिक स्वदेशी उत्पादों को अपनाना चाहिए और विदेशी उत्पादों पर निर्भरता कम करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकारें स्वदेशी और आत्मनिर्भर भारत को लेकर गंभीर प्रयास कर रही हैं। विशेषकर बस्तर जैसे क्षेत्र में वनोपज, हस्तशिल्प और स्थानीय उत्पादों के माध्यम से स्वदेशी को सशक्त बनाने की अपार संभावनाएं हैं। सांसद कश्यप ने उपस्थित युवाओं की स्वदेशी अपनाने का संकल्प भी दिलाया और स्वदेशी संकल्प दौड़ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कार्यक्रम में बेवरेजेस कारपोरेशन छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष श्रीनिवास राव मद्दी ने कहा कि स्वामी विवेकानंद युवाओं के प्रेरणास्रोत हैं। भारत युवाओं का देश है।

स्वदेशी संकल्प दौड़ में भागीदारी निभाते सांसद महेश कश्यप व अन्य जनप्रतिनिधि। ● नईदुनिया

स्वामी विवेकानंद स्कूल में मनाया गया राष्ट्रीय युवा दिवस

नईदुनिया (वि.), जगदलपुर: स्वामी विवेकानंद जयंती एवं राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी पश्चिम नगर मंडल की ओर से स्वामी विवेकानंद स्कूल में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आयोजन का उद्देश्य युवाओं में राष्ट्रभक्ति, अनुशासन और आत्मविश्वास की भावना को सुदृढ़ करना रहा। मुख्य अतिथि एवं बेवरेज कारपोरेशन छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष श्रीनिवास राव मद्दी ने अपने संबोधन में कहा कि स्वामी विवेकानंद जी का जीवन यह सिखाता है कि यदि युवा शक्ति संकल्पित और संगठित हो जाए, तो राष्ट्र निर्माण अवश्यंभावी है। उन्होंने युवाओं से आत्मविश्वास, अनुशासन और सेवा भाव को अपने जीवन का मूल मंत्र बनाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम की शुरुआत स्वामी विवेकानंद जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं श्रद्धांजलि अर्पित कर की गई। इसके पश्चात विद्यालय की शिक्षिकाओं द्वारा प्रस्तुत देशभक्ति गीतों ने पूरे वातावरण को राष्ट्रप्रेम से ओतप्रोत कर दिया। भाजपा नेता विद्याशरण तिवारी ने कहा कि विवेकानंद केवल एक महान संत ही नहीं, बल्कि भारत की युवा चेतना के प्रतीक हैं। उनके विचार आज भी युवाओं को चरित्र निर्माण, राष्ट्रभक्ति और सामाजिक दायित्व की प्रेरणा देते हैं। कार्यक्रम के अंत में उपस्थितजनों ने विवेकानंद के आदर्शों जीवन में अपनाने का संकल्प लिया।

विश्वविद्यालय में उमंग खेल स्पर्धा प्रारंभ

जगदलपुर। शहीद महेंद्र कर्मा विवि में अधिकारियों, कर्मचारियों एवं प्राध्यापकों के लिए प्रतिवर्ष आयोजित होने वाले खेल स्पर्धा उमंग 2026 सोमवार को प्रारंभ हुआ। उद्घाटन के अवसर पर कुलपति इलेवन और कुलसचिव इलेवन के बीच प्रदर्शन क्रिकेट मैच खेला गया। इस आयोजन में क्रिकेट के अलावा शतरंज, बैडमिंटन, टेबल टेनिस, हैंडबॉल एवं कैरम खेल आयोजित होंगे।

युवा दिवस • जिले की सभी एनएसएस शाखाओं और दंतेश्वरी कॉलेज की छात्राओं ने साइबर सुरक्षा व नशामुक्ति पर दी नाटक की प्रस्तुति

एनएसएस के 330 स्वयंसेवकों ने चलाया साफ-सफाई अभियान

भास्कर न्यूज | जगदलपुर

बस्तर विश्वविद्यालय व बस्तर जिले की सभी राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के संयुक्त तत्वावधान में युग प्रणेता स्वामी विवेकानंद की 164वीं जयंती के मौके पर युवा दिवस मेगा कार्यक्रम आयोजित किया गया। माई दंतेश्वरी मंदिर प्रांगण में आयोजित कार्यक्रम के दौरान लोगों को स्वच्छता के साथ नशामुक्ति व साइबर अपराध के प्रति भी लोगों को जागरूक किया गया।

कार्यक्रम की शुरूआत बतौर मुख्य अतिथि बस्तर विवि के कुलपति प्रो. मनोज कुमार श्रीवास्तव ने की। इसके अलावा विशिष्ट अतिथि पार्षद संजय विश्वकर्मा, थाना प्रभारी गौरव सिंह, कार्यक्रम समन्वयक डॉ. संजीवन कुमार मौजूद थे। कार्यक्रम के दौरान स्वयंसेवकों ने लक्ष्यगीत की प्रस्तुति दी। इसके बाद 330 स्वयंसेवकों ने मंदिर और राजमहल परिसर के आसपास सफाई अभियान चलाया। हाथों में स्लोगन बोर्ड और नारों के साथ स्वयंसेवकों ने रैली निकालकर शहर के लोगों को स्वच्छता और नशे से दूर रहने का संदेश दिया। कार्यक्रम को संबोधित करते प्रो. श्रीवास्तव ने कहा कि स्वामी विवेकानंद के विचारों को केवल पढ़ना पर्याप्त नहीं है, बल्कि एकाग्रता, ध्यान और निरंतर कर्म को अपने आचरण व चरित्र में उतारना अनिवार्य है। निरीक्षक गौरव सिंह ने साइबर अपराध पर तकनीकी प्रकाश डाला। उन्होंने युवाओं को एपीके एप्लिकेशन के खतरों से आगाह करते बताया कि कैसे ये संदिग्ध लिंक बैंक खातों को खाली कर सकते हैं। पार्षद संजय विश्वकर्मा ने युवाओं से नशे से दूर रहने कहा। डॉ. संजीवन कुमार ने स्वयंसेवकों को पूरा देश को गंदगी से मुक्त बनाने प्रेरित किया। इस दौरान जिला संगठक मौसमी विश्वास, डॉ. भुवनेश्वर लाल साहू, डोरी सोना, मनीषा टाइगर, मासूराम मंडावी, परमानंद ठाकुर, प्रमोद कुमार मरावी, चंद्रकांत देशमुख, रीना इजाक, लक्ष्मी मिश्रा, डॉ. प्रिंसी दुग्गा, राहुल सिंह ठाकुर, हीरेंद्र व अन्य रहे।

जगदलपुर। माई दंतेश्वरी मंदिर के सामने सफाई अभियान में शामिल एनएसएस स्वयंसेवक।

दंतेश्वरी कॉलेज की छात्राओं ने दी नाटक की प्रस्तुति

जन-जागरूकता के दौरान दंतेश्वरी कॉलेज की छात्राओं ने दो अहम विषयों पर नुक्कड़ नाटक का मंचन किया। इनमें पूजा सेठिया, हेतल सलाम, डिंपल नेताम, काजल नरेती, शिवानी ठाकुर, रंजना चुरेंद्र, पुष्पांजलि, रामवती ने साइबर सुरक्षा पर केंद्रित नुक्कड़ नाटक के जरिए डिजीटल ठगी के खतरे बताए। वहीं रामबती कश्यप और सुमित्रा बघेल, सरिता मौर्य, चेतना मनहर, तनीषा यादव, पूजा, डिंपल ने नशामुक्ति पर मार्मिक नाटक की प्रस्तुति दी। साइबर अपराध पर किए गए नाटक के कलाकारों को मुख्य अतिथि ने पुरस्कृत किया।

सौ से अधिक ने कराए आधार अपडेट संबंधी कार्य

शमक विश्व विद्यालय में डाक विभाग ने लगाया शिविर

नवभारत रिपोर्टर। जगदलपुर।

शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय में शनिवार को भारतीय डाक विभाग द्वारा आधार नामांकन एवं सुधार के लिए एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। इसमें सौ से अधिक विद्यार्थी एवं ग्रामीण लाभान्वित हुए। शिविर में विद्यार्थियों ने जहां नाम, सरनेम, पता, बायोमैट्रिक, मोबाईल नंबर इत्यादि में सुधार कराए वहीं आस-पास के कई ग्रामीणों ने छोटे बच्चे के लिए नवीन आधार(यूआईडीएआई) के लिए नामांकन कराए।

शनिवार को आधार सुधार के लिए पहुंचे आवेदकों की संख्या अधिक होने के कारण जिनका अपडेट नहीं हो पाया वे रविवार को आकर सुधार करा सकेंगे। उनके लिए शिविर एक दिवस के लिए बढ़ाया गया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट एवं अन्य शैक्षणिक कार्यों में विद्यार्थियों को आधार संबंधी परेशानियों से बचाने के लिए यह विशेष शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भारतीय डाक विभाग की विभिन्न सुविधाओं की जानकारी भी दी गई। युवाओं को पार्सपोर्ट के लिए आवेदन करने और उसे सत्यापित करने की प्रक्रिया के बारे में बताया गया। इस अवसर पर डाकघर, बस्तर संभाग के अधीक्षक मो. नियाजुद्दीन, विकास अधिकारी तरूण सारथी, विवि कम्प्यूटर अध्ययनशाला के हेड डॉ. तेज बहादुर चंद्रा, सहायक प्राध्यापक डॉ. राजेश्वरी नेताम सहित अन्य उपस्थित थे।

जनजातीय संस्कृति व पारंपरिक ज्ञान अमूल्य: डॉ. गूजी

बस्तर विश्वविद्यालय की मानव विज्ञान एवं जनजातीय अध्ययनशाला में आयोजित हुआ विशेष व्याख्यान

भास्कर न्यूज | जगदलपुर

बस्तर की जनजातीय संस्कृति, पारंपरिक ज्ञान, नृत्य, गायन और कला पूरी दुनिया के लिए सीख का विषय हैं। भारत में विविध जनजातीय समाज का होना हमारे देश की बड़ी ताकत है। यह विचार नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ आयरलैंड की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. हैब लिडिया गूजी ने व्यक्त किए।

वह बस्तर विश्वविद्यालय के मानव विज्ञान एवं जनजातीय अध्ययनशाला में आयोजित विशेष व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित कर रही थीं। डॉ. लिडिया ने भारत और बस्तर की जनजातीय संस्कृति को समझने के अपने 15 वर्षों के अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा कि बस्तर में जनजातीय जीवन और प्राकृतिक पर्यावरण के बीच गहरा और स्वाभाविक संबंध है। यहां का समाज प्रकृति के साथ तालमेल बनाकर जीवन जीता है। जंगल, जल और जमीन उनके सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन का आधार हैं। यही कारण है कि जनजातीय समाज में पर्यावरण संरक्षण एक स्वाभाविक जिम्मेदारी के रूप में देखा जाता है।

जगदलपुर। छात्रों को संबोधित करते हुए प्रो. डॉ. हैब लिडिया गूजी।

कार्यक्रम की शुरुआत विभागाध्यक्ष प्रो. स्वपन कुमार कोले के स्वागत उद्बोधन से हुई। सह प्राध्यापक डॉ. सुकृता तिर्की ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. गायत्री सोनी ने किया।

उन्होंने कहा कि बस्तर का जनजातीय समाज विविधताओं से भरा हुआ है, लेकिन इसके भीतर एकता की भावना मजबूत है। यहां के लोग सामूहिक जीवन जीते हुए एक-दूसरे से जुड़े रहते हैं और शांतिपूर्ण सहअस्तित्व का उदाहरण प्रस्तुत करते हैं। डॉ. लिडिया ने कहा कि औद्योगिक विकास जरूरी है, लेकिन विकास की प्रक्रिया में मानवीय मूल्य, पर्यावरण और स्थानीय संस्कृति को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए।

डॉ. लिडिया ने कहा कि बस्तर का जनजातीय समाज प्रकृति को केवल संसाधन नहीं, बल्कि जीवन का हिस्सा मानता है। जंगल, नदियां और पहाड़ उनके सामाजिक ढांचे से जुड़े हैं। यही कारण है कि पर्यावरण संरक्षण यहां किसी नियम से नहीं, बल्कि परंपरा से जुड़ा हुआ है। व्याख्यान में डॉ. लिडिया ने कहा कि औद्योगिक विकास समय की जरूरत है, लेकिन विकास की दौड़ में मानवीय संवेदनाएं और स्थानीय संस्कृति को नुकसान नहीं पहुंचना चाहिए। संतुलित विकास ही समाज को आगे ले जा सकता है।

गंभीर शोध और प्रभावी लेखन की जरूरत: डॉ. साहू

एंथ्रोपोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया, जगदलपुर इकाई के निदेशक डॉ. पीयूष रंजन साहू ने कहा कि बस्तर की संस्कृति को समझने और सामने लाने के लिए गंभीर शोध और प्रभावी लेखन की जरूरत है। बस्तर की गोत्र व्यवस्था पारिस्थितिकी से जुड़ी हुई है, जो प्रकृति और संस्कृति के संतुलन का उत्कृष्ट उदाहरण है। बस्तर की संस्कृति समय के साथ बदल रही है, लेकिन इसकी जड़ें आज भी मजबूत हैं।

बस्तर की सांस्कृतिक पहचान आज भी मजबूत

कार्यक्रम में इंदिरा गांधी नेशनल ट्राइबल यूनिवर्सिटी, अमरकंटक की प्रो. रंजू ह्यषिनी साहू ने बस्तर की संस्कृति की विशेषताओं व उसमें आ रहे सामाजिक सांस्कृतिक परिवर्तनों पर अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि आधुनिकता के प्रभाव के बावजूद बस्तर की सांस्कृतिक पहचान आज भी मजबूत बनी हुई है।

विवि में 10 जनवरी को आधार एवं पासपोर्ट संबंधी विशेष शिविर

जगदलपुर @ पत्रिका . शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय, में 10 जनवरी को आधार एवं पासपोर्ट से संबंधित सेवाओं के लिए एकदिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर भारतीय डाक विभाग के सहयोग से विश्वविद्यालय के कालीपुर परिसर स्थित कम्प्यूटर अध्ययनशाला में सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक आयोजित होगा। इस शिविर में विश्वविद्यालय से संबद्ध सभी शासकीय एवं निजी महाविद्यालयों के विद्यार्थी, अधिकारी, कर्मचारी तथा आम नागरिक लाभ उठा सकेंगे। शिविर के दौरान आधार नामांकन, आधार में नाम, पता, मोबाइल नंबर एवं बायोमैट्रिक सुधार की सुविधा उपलब्ध रहेगी। साथ ही पासपोर्ट आवेदन प्रक्रिया से संबंधित आवश्यक मार्गदर्शन भी प्रदान किया जाएगा। डाक विभाग द्वारा आवश्यक सेवाओं की जानकारी भी दी जाएगी। एनईपी के तहत विद्यार्थियों के एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट के लिए आधार विवरण का सही होना अनिवार्य हो गया है।

बस्तर का देशज ज्ञान नेचुरल साइंस जितना ही अमूल्य : डॉ. लिडिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जगदलपुर

नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ आयरलैंड की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ हैब लिडिया गूजो ने कहा कि

- विविध जनजातीय समाज भारत की बड़ी ताकत
- प्रकृति और जनजीवन के सहअस्तित्व का जीवंत उदाहरण

नेचुरल साइंस की तरह बस्तर का देशज ज्ञान भी अत्यंत अमूल्य है। बस्तर के नृत्य, गायन, कला और परंपराओं में अद्भुत विविधता देखने को मिलती है और यहां की जनजातीय संस्कृति वास्तव में गर्व करने योग्य है। उन्होंने कहा कि भारत में विविध जनजातीय समाज का होना देश के लिए सौभाग्य की बात है।

वे सोमवार को शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय के मानव विज्ञान एवं जनजातीय अध्ययनशाला में आयोजित विशेष व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित कर रही थीं। अपने 15 वर्षों के शोध अनुभव साझा करते हुए डॉ लिडिया ने कहा कि बस्तर के जनजातीय जीवन और प्राकृतिक पर्यावरण के बीच गहरा सहअस्तित्व है।

यहां जनजातीय समाज में पर्यावरण संरक्षण जीवनशैली का अभिन्न हिस्सा है,जहां विविधता के

साथ-साथ सामाजिक एकता भी दिखाई देती है। डॉ. लिडिया ने कहा कि औद्योगिक विकास आवश्यक है, लेकिन विकास के साथ मानवीय मूल्यों और प्रकृति के संतुलन को बनाए रखना भी उतना ही जरूरी है। बस्तर का समाज शांतिपूर्ण जीवन, सामूहिकता और सांस्कृतिक समृद्धि का सशक्त उदाहरण प्रस्तुत करता है।

इस अवसर पर इंदिरा गांधी नेशनल ट्राइबल यूनिवर्सिटी, अमरकंटक की प्रो रंजू हाषिनी साहू ने बस्तर की संस्कृति की विशिष्टताओं और उसमें आ रहे परिवर्तनों पर विचार रखे। वहीं एंथ्रोपोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया, जगदलपुर इकाई के निदेशक डॉ पीयूष रंजन साहू ने बस्तर की संस्कृति पर प्रभावी लेखन की आवश्यकता बताते हुए कहा कि यहां की गोत्र व्यवस्था पारिस्थितिकी से जुड़ी हुई है, जो प्रकृति और संस्कृति के सुंदर समन्वय को दर्शाती है। स्वागत उद्बोधन विभागाध्यक्ष (मानव विज्ञान) प्रो स्वपन कुमार कोले ने दिया,जबकि आभार प्रदर्शन सह प्राध्यापक डॉ सुकृता तिर्की ने किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. गायत्री सोनी ने किया। व्याख्यान में एंथ्रोपोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया के वैज्ञानिक डॉ सुबेंदु पात्रा, ग्रीस से आए शोधार्थी निकोलस पेपेंड्रयू,अतिथि व्याख्याता डॉ सोहन कुमार मिश्रा,डॉ शारदा देवांगन सहित शोधार्थी व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

व्याख्यान के प्रमुख बिंदु

बस्तर का जनजातीय समाज प्रकृति के साथ सहअस्तित्व का उदाहरण है,जहां पर्यावरण संरक्षण,सामाजिक एकता और सांस्कृतिक विविधता साथ-साथ विकसित हुई है।औद्योगिक विकास आवश्यक है,लेकिन मानवीय संवेदनाओं और पारंपरिक ज्ञान के संरक्षण के साथ संतुलित विकास ही भविष्य का मार्ग है।

सेवानिवृति पर विवि परिवार ने वित्त अधिकारी को दी विदाई

जगदलपुर, 1 जनवरी (देशबन्धु)। शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय में लंबे समय तक सेवा वाले फाईनेंस ऑफिसर श्रीनिवास रथ वर्ष के अंतिम दिन सेवानिवृत हुए। श्री रथ राज्य वित्त सेवा के अधिकारी के रूप में 40 वर्ष तक विभिन्न शासकीय संस्थानों में सेवाएं दीं।

बुधवार शाम विवि प्रशासनिक भवन में आयोजित विदाई समारोह में विवि परिवार ने श्री रथ को भावपूर्ण विदाई दी। इस भावनात्मक अवसर पर विवि के अधिकारियों व कर्मचारियों ने श्री रथ के कर्तव्यनिष्ठा, ईमानदारी, समर्पण एवं समयपरायणता की सराहना करते हुए उनके आगे के सुखद एवं स्वस्थ जीवन की शुभकामनाएं दीं। सभी ने श्री रथ के कार्यकाल के दौरान उनसे मिले मार्गदर्शन व सहयोग के प्रति आभार जताया। समारोह में कुलपति प्रो एमके श्रीवास्तव, कुलसचिव डॉ राजेश लालवानी सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।